



अठारह वर्षीया कमसिन बुर का लुत्फ़-7

“ज्यों ही उंगली चूत में घुसी ऐशुरानी सिहर उठी और एक क्षण के लिए लण्ड चूसना भी भूल गई। लण्ड मुंह में धंसे धंसे ही उसने सीत्कार ली और फिर दुबारा से लौड़ा चूसने लगी। ...”

Story By: चूतेश (chutesh)

Posted: Friday, July 15th, 2016

Categories: [Hindi Sex Story](#)

Online version: [अठारह वर्षीया कमसिन बुर का लुत्फ़-7](#)

अठारह वर्षीया कमसिन बुर का लुत्फ़-7

ताजा ताजा दो बार चुदी ऐशु रानी बड़ी प्यारी गुड़िया सी लग रही थी, उसके चेहरे पर सन्तुष्टि के भाव थे जैसे कोई बच्चा अपना मनपसन्द खिलौना पाकर तृप्त दिखाई देता है।

तब तक रीना रानी की तन्द्रा भी टूट चुकी थी, उसने ऐशु रानी के चूतड़ों को दबाते हुए मस्ती में दुबई आवाज़ में कहा- देख ऐशु... तूने अब खूब मज़ा उठा लिया... अब तू राजे के मूसलचंद को थैंक यू कर!

ऐशु रानी ने तुरन्त बोला- थैंक यू मूसल चंद!

रीना रानी ज़ोर से हंसी, ऐशु रानी के निप्पल उमेठे और बोली- मादरचोद, राजे की दुनिया में थैंक्स ऐसे नहीं किया जाता कुतिया... मूसलचंद को चाट के साफ़ करके शुक्रिया अदा करते हैं और यह कमीना भी चाट चाट के तेरी चूत साफ़ करता, मगर आज मेरा मूड है कि तेरी बुर को चाटूँ और राजे के मसाले के साथ मिले हुए चूत रस का स्वाद लूँ... चल हो जा शुरू माँ की लौड़ी!

इतना कह कर रीना रानी ने खींच कर मेरे ऊपर से उतारा और पलक झपकते ही लपक के ऐशुरानी की टाँगें फैला के मुंह उसकी बुर से लगा दिया।

पहले उसने एक कुत्ते की भांति ऐशु रानी की चूत के आस पास का पूरा एरिया, जांघें और झांटों वाला भाग चाट के साफ़ किया।

साली सच में कुत्ते जैसे लप्प लप्प लप्प करती हुई चाट रही थी और मज़े से चटखारे ले रही थी।

थोड़ी देर में जब सब सफाई हो गई तो रीना रानी चहकते हुए बोली- उम्म्म... उम्म्म...

बहनचोद मज़ा आ गया... अब ऐशु तू लौड़ा साफ कर... राजे का लावा चाटने को मिलेगा... रांड देख कितना सारा लण्ड पे लगा है... बैठ जा इस कमीने की टांगों के बीच और चाट !

जैसे ही ऐशुरानी लण्ड के पास मुंह लेकर आई, रीना रानी फिर से कूदी- रुक ज़रा बेटोचोद कुलटा... लण्ड चाट के नहीं बल्कि मुंह में लेकर चूस के साफ कर कुतिया... हरामज़ादी तुझको मुंह में लौड़ा खड़ा होने का स्वाद भी मिलेगा... बड़ा मज़ा आएगा जब ये मुरझाया मूसलचंद मुंह में इतना बड़ा हो जाएगा कि तेरा मुंह ही भर देगा.... ले भोसड़ी वाली मुंह में... हाँ अब ठीक है मेरी चुदक्कड़ बहन... आया स्वाद राजे के लावा का ? अपनी चूतरस का भी स्वाद आया ना ?

रीना रानी के दिए हुए निर्देश के अनुसार ऐशुरानी लण्ड को मुंह में ले चुकी थी और चूस रही थी ।

जैसा रीना रानी ने कहा था वैसा ही हुआ ।

ऐशुरानी के मुखरस की गर्मी मिलते ही लौड़ा पहले तो थोड़ा थोड़ा अकड़ा, फिर कुछ ही देर में पूरा अकड़ के ऐशुरानी के छोटे से मुंह को पूरा भर डाला ।

रीना रानी निर्देश दिए जा रही थी- हाँ मादरचोद रंडी, अब जीभ फिरा सुपारी पर... अब लौड़े को ऊपर से नीचे तक जीभ से रगड़ कमीनी... ले मैं तेरी फिर से गांड मार देती हूँ... ले भोसड़ी वाली ये गई उंगली गांड में... नाखून चुभा चुभा के गांड लूंगी छिनाल.. चूस चूस जा माँ की लौड़ी... साथ साथ इसके टट्टे कौन सहलएगा तेरी माँ ? छील दूंगी गांड अंदर से बेटोचोद रंडी... ले ले ले ले... साली कमीन कुतिया !

ऐशुरानी लण्ड चूसे जा रही थी जबकि रीना रानी उसकी गांड की हजामत बना रही थी । ऐशुरानी के मुंह से मुखरस धड़ाधड़ निकले जा रहा था, लण्ड तो भीग चुका ही था, ढेर

सारी राल टपक टपक के रानी के होंठों के कोनों से बाहर बहने लगी थी ।

रीना रानी के कहे मुताबिक ऐशु रानी लण्ड चूसने के साथ साथ मेरे अंडे भी सहला रही थी ।

यह जानते हुए कि ऐशुरानी लौड़ा चूसने में ज्यादा माहिर नहीं हुई है, मैंने उसके मुंह में धक्के भी लगाने शुरू कर दिए थे ।

बहुत हल्के हल्के से धक्के !

उधर रीना रानी ने दूसरी उंगली अचानक ऐशुरानी की बुर में घुसा दी ।

अब वो एक साथ चूत और गांड में उंगली से चुदाई कर रही थी ।

ज्यों ही उंगली चूत में घुसी ऐशुरानी सिहर उठी और एक क्षण के लिए लण्ड चूसना भी भूल गई । लण्ड मुंह में धंसे धंसे ही उसने सीत्कार ली और फिर दुबारा से लौड़ा चूसने लगी ।

लण्ड अब तक तो बुरी तरह से तन चुका था, ऐशु रानी के मुख में फंसा हुआ तुनक तुनक के अपनी मौजूदगी का अहसास करवा रहा था ।

रीना रानी अब ज़ोर ज़ोर से उंगलियाँ चलाते हुए आहें पर आहें भर रही थी ।

माहौल बहुत ही मादक तो था ही और चुदास को सातवें आसमान तक उड़ा ले जाने वाला भी था ।

रीना रानी की किलकारियाँ, सीत्कारियाँ, आहें, हिचकियाँ स्पष्ट कर रही थीं कि वो झड़ने के करीब थी ।

उसको सैकड़ों बार चोद के मैं उसकी रग रग से वाकिफ था और समझता था वो कब स्खलित होने को है ।

इधर ऐशुरानी भी मस्ती से चूर थी। हुमक हुमक के लण्ड चूस रही थी। जो कुछ रीना रानी उसकी गांड और बुर में कर रही थी, उससे उसको इतना आनन्द आ रहा था कि थोड़ी थोड़ी सी देर में उसका मदमाता रेशम सा बदन झनझना उठता था।

मैं चूँकि शाम से अब तलक तीन बार खूब ज़ोरों से झड़ चुका था, मेरे खलास होने में अभी वक़्त था और मैं धक्के भी बहुत आराम से दे रहा था।
वैसे भी रानी के छोटे से मुंह में फंसे हुए मेरे लम्बे, मोटे लौड़े से तेज़ धक्के ठोकना संभव भी न था।

कुछ ही पलों में रीना रानी ने एक ईईईई ईईईई... की ध्वनि निकाली और तीव्र गति से स्वलित हो गई।

इसके पहले उसने इतनी ज़ोरदार रफ़्तार से ऐशुरानी की बुर एवं गांड में उंगलियाँ चलाई कि ऐशुरानी भी बड़े धमाके के साथ झड़ी। हड़बड़ाहट में लण्ड भी उसके मुंह से बाहर निकल पड़ा।

ऐशुरानी के मुखरस से तर लौड़े को मैंने ज़रा भी न हटाया और रानी के चेहरे से रगड़ता रहा।

चरम आनन्द को प्राप्त ऐशुरानी कुछ समय तक तो बेसुध सी पड़ी रही, फिर उसे ध्यान आया कि वो मेरा लण्ड चूस रही थी, उसने दुबारा से लौड़ा मुंह में घुसा लिया और लगी चूसने।

अब तक रानी लण्ड चूसन की कला में कुछ निपुणता हासिल कर चुकी थी। लण्ड की जड़ को दोनों हाथों से थाम कर रानी ने खूब मज़ा लेते हुए चूसना शुरू किया।

अब मैंने भी धक्के थोड़े तेज़ कर दिए, रानी के केश जकड़ कर मैं उसके मुख की चुदाई द्रुत गति से करने लगा।

रानी की लपलपाती हुई जीभ के स्पर्श और दनादन धक्कों के कारण मैं शीघ्र ही खलास होने को हो गया।

दोनों हाथों में लौड़ा थामे चूसती हुई रानी को निहारने में बहुत आनन्द आ रहा था। लण्ड को उसने दोनों हाथों के अंगूठे और तर्जनी से पकड़ा हुआ था और रीना रानी की दी हुई हिदायत के अनुसार रानी ने ऊपर बताए हुए ढंग से लण्ड को थामा हुआ था और हाथों की बाकी उंगलियों से वो मेरे अण्डों के नीचे का भाग हल्के हल्के से दबा सहला रही थी।

उसका खूबसूरत मुखड़ा भयंकर कामाग्नि से पीड़ित होकर तमतमाया हुआ था, उसके बाल बिखरे हुए थे और कई लटें माथे पर आई हुई थीं।

मैंने रानी के हाथों को गौर से देखा, बहुत ही सुडौल, सुन्दर हाथ, उंगलियाँ लम्बी और मांसल, एकदम सही आकार के साफ सुन्दर गुलाबी नाखून।

बहुत दिल ललचाया कि इन मलाई सरीखे हाथों को खूब चाटूँ चूसूँ, परन्तु अभी समय नहीं था, अभी तो तेज़ सनसनी रीढ़ में ऊपर नीचे हो रही थी।

रीना रानी ने ऐशुरानी को बहुत कम समय में ही लौड़ा चुसाई में काफी कुछ सीखा दिया था।

झड़ने से पहले के अति उत्तेजक, महा मादक पलों का आनन्द ले रहा था कि रीना रानी हरकत में आई, उठकर वो हमारे पास आ बैठी और मज़े से ऐशुरानी को लण्ड चूसते हुए देखने लगी।

रीना रानी मुझे देखते ही तुरंत भांप गई कि मैं बस अब झड़ा और अब झड़ा।

जैसे मैं उसके शरीर की भाषा को भली भांति पहचानता था उसी प्रकार वो भी मुझको अच्छे से जानती थी।

उसने ऐशुरानी को सम्बोधित करते हुए कहा- सुन ऐशु... अब तेरे मुंह में एक भूचाल आने वाला है... ये मूसलचंद थोड़ी ही देर में एक ज्वालामुखी जैसा फटेगा... ढेर सा लावा तेरे मुंह में आने वाला है... तैयार हो ले रांड... झटका लगे तो लौड़ा कहीं निकल न जाए... और हाँ जब ये मलाई उगले तो फ़ौरन मत सटक लेना... अच्छे से मुंह के कुछ टाइम रख के पूरा स्वाद लेकर ही निगलियो मादरचोद...

समझ गई न ?

रीना रानी ने ऐशुरानी का कन्धा हिलते हुए पूछा ।

ऐशुरानी ने जैसे तैसे सिर हिलाकर दर्शाया कि हाँ समझ गई ।

अब मुझ से रुकना असम्भव हो गया था, टट्टों में ज़बरदस्त दबाव बन गया था, लण्ड में बिजलियाँ कौंध रही थीं ।

जैसे ही ऐशुरानी ने जीभ लौड़े के छेद में लगाई मैं एक पटाखा फटने जैसे झड़ा । मुंह से ज़ोर की आआआ आआआ हहह निकली और वीर्य धमक धमक के ऐशुरानी के मुंह में फव्वारे जैसे छूटने लगा ।

ऐशुरानी को रीना रानी की दी हुई चेतावनी याद रही होगी क्योंकि उसने बड़े आराम से एक मजे हुए खिलाड़ी जैसे सारा लावा मुंह में गिरने दिया ।

जब लण्ड तुनक तुनक के सब मलाई झाड़ चुका तो उसने मेरी मलाई निगल ली । रीना रानी ने फिर उसको निर्देश दिया कि लण्ड की नसें दबा के बची हुई मलाई भी निकाले ।

एक अच्छी शिष्य बनकर ऐशुरानी ने ऐसा ही किया ।

वीर्य की लण्ड की नस में बची हुई चार पांच बूँदें निकाल लीं जिनको रीना रानी ने पी लिया और मस्ती में भरी हुई आवाज़ में पूछा- क्यों राजे बहनचोद, कैसा लगा अपनी नई रानी

की थैंक यू लौड़ा चुसाई... और तू भी कुछ बोल नई रानी। कमीनी आया न खूब मज़ा ?

यह कह कर रीना रानी ने नई वाली रानी के चूचे ज़ोर से निचोड़ दिए।

चुदने और लण्ड चूसने के पश्चात ऐशुरानी की शर्म खुल चुकी थी, मुस्कराते हुए बोली- हाँ दीदी बड़ा मज़ा आया, थैंक यू दीदी।

रीना रानी ने ऐशुरानी का मुंह चूम लिया और बोली- चल अब राजे को आराम करने देते हैं और हम दोनों रंडियाँ अब आपस में मौज मारेंगे... अब एक काम बाकी है और वो है इस कुत्ते को स्वर्ण अमृत पिलाना... पहले मैं पिलाती हूँ... तू देख ध्यान से.. उसके बाद तू पिलाएगी पहली बार !

स्वर्ण रस तो खैर मुझे भी चाहिए था इतनी मेहनत जो की थी।

मैं बेड से उतर के नीचे बैठ गया और रीना रानी बेड के सिरे पर टाँगें चौड़ी कर के पैर ज़मीन पर टिका के बैठ गई।

मैं जानता था कि इतनी मस्त चुदाई के वातावरण में अनेकों बार स्वलित होकर वो और ऐशुरानी भी ढेर सारा अमृत निकालेंगी।

और ऐसा ही हुआ भी !

जैसे ही मैंने रीना रानी की चूत से होंठ लगाए, रानी ने सुररर सुररर सुररर करते हुए अमृत की धारा मुंह में छोड़नी शुरू कर दी।

वाकयी में बहुत ढेर सा अमृत निकला।

मेरी जीभ, मुंह, गला और आत्मा सभी तृप्त हो गए।

ऐशु रानी आश्चर्यचकित सी मुंह बाए ये तमाशा देख रही थी। जब उसका नंबर आया तो थोड़ी सी हिचक गई।

पहले कभी किसी ने उसका स्वर्ण रस पिया जो नहीं था ।

खैर रीना रानी के बहलाने पर मान गई और जैसे रीना रानी बिस्तर के सिरे पर बैठी थी वो भी उसी पोजीशन में बैठ गई ।

मैंने उसकी बुर से होंठ सटा दिए और दो तीन पलों में ही ऐशुरानी की अमृतधार का स्वाद चखने को मिल गया ।

ऐशुरानी ने भी काफी देर तक अमृत बहाया ।

यारो... पी के मैं मस्त हो गया ।

इस प्रकार इस चुदाई समारोह के पहले दिन का समापन हुआ ।

दोनों रानियों को अच्छे से चुम्बनों की वर्षा देकर मैंने अपने कपड़े पहने और चुपचाप दबे पांव अपने कमरे में जूसी रानी की बगल में जाकर लेट गया ।

वो घोड़े बेच कर गहरी निद्रा में थी और कुछ न जान सकी कि मैं कब उठ के गया था और कब दो दो चूतों की खबर लेकर वापिस भी आकर सो गया ।

तो यारो, यह कहानी यहीं समाप्त हुई ।

अगले दिन रीना रानी और ऐशुरानी के संग क्या क्या चुदाई क्रीड़ाएँ हुई, उनको मैं अगली किसी कहानी में लिखूँगा ।

नमस्कार

चूतेश

Other stories you may be interested in

पड़ोस के बाप बेटे- 2

हॉट भाभी Xxx स्टोरी में मुझे पड़ोस के एक अंकल ने अपने घर में चोद दिया. अंकल का लंड पकड़ने के बाद मेरी चूत में भी लंड लेने की आग लग गई थी। ये कैसे हुआ ? नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम [...]

[Full Story >>>](#)

दोस्त की स्कूल टीचर बीवी की मस्त चुदाई

हॉट स्कूल टीचर सेक्स सम्बन्ध की कहानी में मैंने अपने दोस्त की अध्यापिका पत्नी के साथ सेक्स किया। उसने खुद से ही पहल करके सेक्स संबंधों को बढ़ावा दिया था. दोस्तो, मैं एक बार फिर हाजिर हूँ अपनी एक नई [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोस की कमसिन लड़की ने मुझे पटाया

हॉट गर्ल सेक्सी स्टोरी मेरे घर के सामने रहने वाली 19 साल की जवान लड़की की पहली चुदाई की है जो मेरे लंड ने की. वह मुझे देखा करती थी. मैं भी समझ गया और सेटिंग कर ली. दोस्तो, मेरा [...]

[Full Story >>>](#)

चचेरी बहन और भतीजी दोनों को चोदा- 2

देसी बुर की पहली चुदाई का मजा मेरी भतीजी ने दिया. वो मेरे साथ मेरी चचेरी बहन के घर गयी थी जहां उसने मुझे बहन की चूत चुदाई करते देख लिया था. मित्रो, मैं यशवंत आपको अपनी बहन और भतीजी [...]

[Full Story >>>](#)

अम्मी और मैंने एक दूसरी की चूत चुदवाई

सेक्सी माँ बेटा चुदाई कहानी में मेरी अम्मी ने मुझे अपने यार से चुदवा दिया और मैंने अपनी रण्डी अम्मी को अपने बॉयफ्रेंड का लंड दिलवा दिया. यह कहानी सुनें. मेरा नाम रेहाना है दोस्तो ! यह कहानी मेरी एक प्रशंसिका [...]

[Full Story >>>](#)

